कोटा में बीस लाख कीमत का डोडा-चूरा बरामद, दो तस्करों को पकड़ा

आरोपियों ने पूछताछ में मादक पदार्थ झालावाड़ से बीकानेर ले जाना बताया

कोटा, (निसं)। सिमलिया पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए कार से अवैध मादक पदार्थ 44 किलो डोडा-चूरा जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन रूट क्लियरेंस चलाया जा रहा है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि सिमलिया थानाधिकारी नन्दसिंह ने मय जाप्ता एनएच-52 कराडिया इंटरचेंज के समीप नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग की। पुलिस नाकाबंदी के दौरान बारां की तरफ से एक कार आती हुई दिखी दी, कार चालक पुलिस नाकाबंदी को देखते हुए कार को कराडिया इंटरचेंज से पहले वाले रोड पर मोड़कर भगाकर ले जाने लगा। मौके पर मौजूद पुलिस जाप्ता ने संदेह होने पर आगे जाकर कार को रोककर कार में सवार लोगों से पूछताछ की, कोई संतोषपद् जबाव नहीं मिलने पर पुलिस ने कार में सवार दोनों को डिटेन कर कार की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान कार से अवैध मादक पदार्थ 44 किलो डोडा-चूरा बरामद किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस कार्रवाई में बरामद अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की बाजार में कीमत करीब 20 लाख रूपये बताई गई है। पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला बीकानेर के कांकडा निवासी प्रदीप (21) एवं जिला बीकानेर के उडसर निवासी दिनेश कुमार (25) को गिरफ्तार किया गया है। मामले में पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में मादक पदार्थ झालावाड़ से बीकानेर ले जाना सामने आया है। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

सिमलिया पुलिस टीम ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

अवैध हथियार सप्लायर अजय उर्फ धोलू गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। आचार संहिता के दौरान अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और सप्लाई के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मेहाड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सप्लायर के वांछित आरोपी अजय कुमार उर्फ धोलू को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अवैध हथियार सप्लाई के नेटवर्क और अन्य जुड़े लोगों के संबंध में अनुसंधान कर रही है। मेहाड़ा थाना प्रभारी रामनारायण चोयल के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक 2 अगस्त को मेहाड़ा थाना पुलिस की टीम ने मुखबिर की सूचना पर बांसियाल से कुड़ी की ढाणी जाने वाले रास्ते पर कार्रवाई की थी। इस दौरान बलबीर पुत्र मातादीन, निवासी ढाणी बड़ियाला, तन बांसियाल के कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा बरामद कर उसे गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान बलबीर ने पुलिस को बताया कि उसने उक्त अवैध देशी कट्टा अजय उर्फ धोलू पुत्र गिरधारी, निवासी ढाणी राजाला, तन बांसियाल से लिया था। इसके बाद पुलिस ने मामले में अजय उर्फ धोलू की तलाश शुरू की।

लगातार तलाश और अनुसंधान के बाद पुलिस टीम ने 24 अगस्त को अवैध हथियार सप्लायर के वांछित आरोपी अजय कुमार उर्फ धोलू पुत्र गिरधारी, निवासी बांसियाल, थाना मेहाड़ा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा प्रकरण में आगे की जांच जारी है।

फलोदी : महिला की हत्या के आरोप में बेटा और बहू गिरफ्त में

- **सास-बहू के बीच लंबे समय से चल रहे झगड़े और विवाद की भी पुलिस जांच कर रही है**
- **हत्या के पीछे क्या कारण रहा और वारदात को किस तरह अंजाम दिया गया, इसका खुलासा आरोपियों से पूछताछ के बाद होगा**

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले के सांवरीज गांव में मांगीदेवी की हत्या की घटना आम आदमी के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में मृतक के बेटे और बहू को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ तथा अन्य साक्ष जुटाकर हत्या के कारण और वारदात के पूरे घटनाक्रम का पता लगाने में जुटी है।

जानकारी के अनुसार मृतका की बेटी पुष्पा पत्नी गवराराम, निवासी रामदेवनगर, एका भाटियान ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी। उसने कहा कि भाई और भाभी ने मेरी मां की हत्या कर दी और ये सब सास-बहू के क्लेश के कारण हुआ है। दर्ज रिपोर्ट में उसने आरोप लगाया कि उसकी मां मांगीदेवी की हत्या उसके भाई मुकेश और उसकी पत्नी सदामी उर्फ सदू ने मिलकर की है। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और संदिग्धों से पूछताछ की। पुलिस अधीक्षक सतनामसिंह के निर्देशन में गठित टीम ने जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और प्राप्त सूचनाओं को जोड़ते हुए पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में मुकेश पुत्र बंशीलाल (32) और उसकी पत्नी सदामी उर्फ सदू (27) दोनों निवासी फलोदी जिले के सांवरीज को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार सास-बहू के बीच लंबे समय से चल रहे झगड़े और विवाद की भी जांच की जा रही है। हत्या के पीछे क्या कारण रहा और वारदात को किस तरह अंजाम दिया गया, इसका खुलासा आरोपियों से पूछताछ के बाद होगा। गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस हत्या के कारण, वारदात के समय मौजूद परिस्थितियों और दोनों की भूमिका को लेकर साक्ष्य जुटा रही है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

10 फीट लंबा अजगर दिखाई देने से लोगों में दहशत

कोटा, (निसं)। नयापुरा इलाके में स्थित सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय के समीप से गुजर रही नाली में मंगलवार को करीब 10 फीट लंबा अजगर दिखाई देने से लोगों व आसपास के दुकानदारों में दहशत फैल गई। नाली में अजगर होने की सूचना पर मौके पर लोगों की काफी भीड़ एकत्र हो गई। अजगर की सूचना लोगों ने स्नैक रेस्क्यू आसीम हुसैन को दी। सूचना पाकर स्नैक रेस्क्यू आसीम हुसैन अपने साथी जितेन्द्र कोली के साथ मौके पर पहुंचा और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद नाली में छिपे अजगर को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अजगर के रेस्क्यू होने के बाद स्थानीय लोगों व पास के दुकानदारों ने राहत की सांस ली।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय के सामने निजी स्कूल भी संचालित होता है, जहां बड़ी संख्या में छोटे बच्चे आते-जाते हैं। वहीं, पास में बने एक सार्वजनिक शौचालय का उपयोग लोग सुबह और रात के समय भी करते हैं। ऐसे में अजगर की मौजूदगी से लोगों में भय का माहौल बना हुआ था। हालांकि, गनीमत रही कि अजगर ने किसी व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया। स्नैक रेस्क्यू आसीम हुसैन ने बताया कि सूचना मिली थी कि सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय के समीप पास से गुजर रही नाली में अजगर दिखाई दे रहा है, सूचना पाकर मौके पर पहुंचने तो देखा गया कि नाली के अंदर अजगर है, जो संभवत: शिकार की तलाश में नाली में छिपा था। स्नैक रेस्क्यू आसीम हुसैन ने बताया कि रेस्क्यू अभियान चलाकर अजगर को बाहर निकालकर उस पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू के बाद अजगर को रावतभाटा रोड स्थित जंगल में छोड़ दिया।

स्नैक रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और अजगर को रेस्क्यू किया।

टोंक में स्मैक व नशीली दवाईयां जब्त, सात गिरफ्त में

- **मेडिकल स्टोर दुकान में बिना खरीद बिल के ट्रमाडोल व अल्फाजोल की टैबलेट व अन्य अवैध टैबलेट बेचने के विरूद्ध कार्रवाई की**

टोंक, (निसं)। जिला स्पेशल टीम व थाना कोतवाली, पुरानी टोंक, सदर टोंक व महिला शक्ति टीम द्वारा शहर में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी करते हुए एनडीपीएस एक्ट प्रकरण में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे में भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन अवैध मादक पदार्थ स्मैक, नशीला इंजेक्शन ट्रामाडोल अल्पआजोलम जैसी नशीली मादक पदार्थ जब्त किया गया। इन दवाइयों को बिना डॉक्टर के राय के बेचा जा रहा था।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने डीएसटी टीम के साथ क्षेत्र के तीन जगह छापामारी करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर दो के खिलाफ एनडीपीएस के प्रकरण दर्ज किए गए। वहीं थाना पुरानी टोंक पुलिस टीम ने पर हाउसिंग बोर्ड इलाके से भारी मात्रा में ट्रामाडोल अल्पाजोलम व इंजेक्शन बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना सदर टोंक पुलिस टीम ने 10.50 ग्राम स्मैक बरामद कर एक महिला को गिरफ्तार किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस अभियान में जिला स्पेशल टीम व शहर थानों की विभिन्न टीमों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अन्नपूर्णा डुंगरी स्थित गणेश मन्दिर के सामने मौसम देवी पत्नी राहुल सांसी के कब्जे से स्मैक 10.50 ग्राम, दो मोबाईल फोन व 6240 रूपये बरामद किये गये। इसी प्रकार कोतवाली थाना क्षेत्र के पवेलियन ग्राउण्ड में पवेलियन के नीचे तल पर बने हॉल के लगे हुये चेनल गेट में से चार आरोपियों को स्मैक का सेवन करते पाया जाने पर एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार गया तथा उनके कब्जे से स्मैक पीने के उपकरण जप्त किये गये। वहीं डीएसटी व कोतवाली थाना पुलिस टीम ने मेडिकल बड़ा कुआ के आशीर्वाद मेडिकल स्टोर संचालक को मेडिकल स्टोर दुकान में बिना खरीद बिल के ट्रमाडोल व अल्फाजोल की टैबलेट व अन्य अवैध टैबलेट बेचने के विरूद्ध में टैबलेट्स को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। इसी प्रकार अम्बेडकर कॉलोनी, हाउसिहं बोर्ड टोंक में मकान मे अवैध प्रतिबन्धित नशीली दवाईयां रखने पर आरोपी नरेश कुमार वर्मा को डिटेन कर मौके से मिली अवैध प्रतिबंधित नशीली दवाईयों को जब्त किया गया है तथा आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई

जयपुर/बाड़मेर। रक्षाबंधन एवं हरियाली तीज के अवसर पर महिलाओं को स्थानीय उत्पादों एवं हस्तनिर्मित सामग्री के प्रदर्शन और बिक्री के लिए मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बाड़मेर के महेश्वरी भवन में दो दिवसीय प्रदर्शनी के समापन अवसर पर श्योर संस्था के निदेशक एवं भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के मेरा युवा भारत के पूर्व निदेशक, पर्यावरणविद् डॉ. भुवनेश जैन ने बताया कि प्रर्दशनी में महिलाओं की इतनी वेरायटी की स्टाल और आत्म विश्वास देखकर कहीं नहीं लगा कि ये बाड़मेर में लगी है। ऐसी शानदार प्रदर्शनी अनेक बड़े शहरों में लगने से कम नहीं है। उन्होंने बाड़मेर की व्यापार में निपुणता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसको और बड़े स्तर पर आयोजन करने की आवश्यकता है।

भरतपुर में तेज स्कूटी चलाने से टोकने पर युवक को पीटा

- **मारपीट का वीडियो वायरल, तीन दिन बाद भी आरोपी फरार**

भरतपुर, (निसं)। कोतवाली थाना इलाके से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दो युवक एक युवक को बेरहमी से पीटते हुए नजर आ रहे हैं। मामूली सी बात पर हुई इस मारपीट में हमलावर ने कड़े से पीड़ित के चेहरे और सिर पर कई वार किए। पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित कपिल गर्ग निवासी कमला रोड ने कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

रिपोर्ट के मुताबिक 21 अगस्त की शाम करीब 5 बजे कपिल अपने भतीजे को स्कूल से लेकर घर लौट रहा था। घर से करीब 50 मीटर दूर सामने से तीन युवक राहुल, आवेश और कौशल तेज स्पीड में स्कूटी चलाते हुए आए और कपिल की स्कूटी को टक्कर मार दी। कपिल ने सिर्फ इतना कहा कि स्कूटी धीरे चलाओ। इसी बात पर तीनों युवक भड़क गए और झगड़ा शुरू हो गया। आरोप है कि राहुल नाम के युवक ने हाथ में पहने कड़े से कपिल के चेहरे पर तीन बार हमला किया। जिससे उसके चेहरे, सिर और कंधे पर गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट के दौरान तीनों युवकों ने कपिल की जेब में रखे 8300 रुपए भी छीन लिए और स्कूटी पर फरार हो गए।

सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि दो युवक कपिल को घेरकर पीट रहे हैं। एक युवक लगातार कड़े से हमला कर रहा है जबकि दूसरा उसे पकड़े हुए है। खून से लथपथ कपिल खुद को बचाने की कोशिश करता है, लेकिन हमलावर नहीं रुकते। घटना के अगले दिन 22 अगस्त को कपिल ने कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया। घटना को 3 दिन बीत चुके हैं लेकिन पुलिस ने अभी तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। इस मामले में जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल भगीरथ ने बताया कि पीड़ित का मेडिकल करवा दिया गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मारपीट के आरोपी को पकड़ा

भरतपुर, (निसं)। थाना मथुरागेट पुलिस ने वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए मारपीट कर डरा-धमकाकर चांदी की अंगूठी व रुपये छीनने के मामले में आरोपी आकाश उर्फ कल्ला को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार 23 अगस्त को परिवादी सोहनसिंह पुत्र गोपालसिंह जाट, निवासी नगला चांदमारी थाना चिकसाना ने थाना मथुरागेट पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि रूपासी रेस्टोरेंट, जवाहरनगर के पास आरोपी आकाश उर्फ कल्ला पुत्र भरतसिंह उर्फ हल्लन गुर्जर, निवासी घना जाटौली थाना सेवर ने उसके साथ मारपीट की तथा डरा-धमकाकर चांदी की अंगूठी व रुपये छीन लिए।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 10 लाख के आभूषण बरामद

- **पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश में माउंट आबू, सिरोही, जोधपुर, सुजानगढ़, श्रीडूंगरगढ़, छापर सहित संभावित स्थानों पर दबिश दी**

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर घर से सोने-चांदी के आभूषण और मोबाइल चोरी करने के मामले में राजलदेसर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को एक सप्ताह के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 10 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण एवं अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार 18 अगस्त को भावनदेसर निवासी विनोद कुमार पुत्र फेफाराम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसका पुत्र विकास 13 अगस्त की सुबह करीब 3 बजे घर से 5 जोड़ी चांदी की पायजेब, सोने का मंगलसूत्र, सोने की टॉप्स की एक जोड़ी, सोने की बालियां, तीन नाक के लूंग, सोने का बोरला, दो चांदी के सिक्के सहित अन्य पुराने सोने-चांदी के आभूषण और एक एंड्रॉयड मोबाइल लेकर चला गया। मामला दर्ज होने के बाद जांच एएसआई रामनिवास को सौंपी गई। रतनगढ़ पुलिस उपधीक्षक इनसार अली ने बताया कि थाना अधिकारी बेगाराम मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई।

टीम ने आरोपी की तलाश में माउंट आबू, सिरोही, जोधपुर, सुजानगढ़, श्रीडूंगरगढ़, छापर सहित आसपास के संभावित स्थानों पर दबिश दी। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए छापर से आरोपी विकास पुत्र विनोद कुमार निवासी भावनदेसर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से पांच जोड़ी पाजेब चांदी की, चांदी के 2 बड़े सिक्के 4 छोटे सिक्के, चांदी की बालाजी की मूर्ति, बिछुड़ी चांदी की, नाक कांटे सोने के मंगलसूत्र सोना का, टॉप्स की एक जोड़ी और बोरला सोना का सहित अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस ने बरामद माल की अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये बताई है। पुलिस का कहना है कि चोरी गए माल की शत-प्रतिशत बरामदगी की गई है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी एक मामला दर्ज बताया गया है। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। मामले में पुलिस का अनुसंधान जारी है।

विशेष अभियान में 72 गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के आदेशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राजेश आर्य के निर्देशन में भीलवाड़ा पुलिस ने एरिया डोमिनेशन और आगामी निकाय चुनावों के मद्देनजर अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए एक दिवसीय विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत पुलिस ने जिलेभर में दबिश देकर 72 अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

अभियान को सफल बनाने के लिए वृत्ताधिकारियों और थानाधिकारियों के साथ विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई। इसमें 127 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को शामिल कर 30 विशेष टीमों का गठन किया गया, जिन्होंने एक साथ 142 चिन्हित स्थानों पर ताबड़तोड़ दबिश दी। विभिन्न मामलों में वांछित कुल 72 अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा गया। भीलवाड़ा पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से अपराधियों और असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है।

जांच शिविर में सिलिकोसिस प्रमाण पत्र नहीं मिलने से पीड़ितों में निराशा

पीड़ितों के अनुसार शिविर में मरीजों का ऑनलाइन पंजीकरण किया गया तथा उन्हें आगे की जांच के लिए जिला अस्पताल भेजने की सलाह दी गई

पाटन, (निसं)। ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा में मंगलवार को आयोजित सिलिकोसिस जांच शिविर में बीमारी से पीड़ित एवं संभावित मरीजों ने चिकित्सकों को अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बताकर जांच करवाई। हालांकि शिविर में किसी भी मरीज को सिलिकोसिस का प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया। इससे पीड़ितों में निराशा देखने को मिली।

- **पीड़ितों ने प्रशासन से मांग की है कि सिलिकोसिस की जांच से लेकर प्रमाण पत्र जारी करने और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तक की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए**

पीड़ितों के अनुसार शिविर में मरीजों का ऑनलाइन पंजीकरण किया गया तथा उन्हें आगे की जांच के लिए जिला अस्पताल भेजने की सलाह दी गई। बताया गया कि सिलिकोसिस की पुष्टि और प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार निर्धारित मेडिकल कमेटियों के पास होने के कारण स्थानीय स्तर पर आयोजित शिविर में प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जा सकते। पीड़ितों का कहना है कि बीमारी से जूझ रहे लोगों को बार-बार अलग-अलग स्तरों पर जांच और प्रमाणन के लिए भेजे जाने से प्रक्रिया लंबी हो जाती है। आर्थिक सहायता के लिए पात्रता साबित करने तथा दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी करने में भी मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि शिविर का उद्देश्य सिलिकोसिस पीड़ितों की पहचान और उन्हें सरकारी सहायता दिलाने की प्रक्रिया को आसान बनाना है, तो केवल ऑनलाइन पंजीकरण और रेफर करने तक प्रक्रिया सीमित नहीं रहनी चाहिए। गंभीर रूप से प्रभावित मरीजों को प्रमाणन, उपचार और आर्थिक सहायता की प्रक्रिया के संबंध में स्पष्ट मार्गदर्शन के साथ समयबद्ध कार्रवाई मिलनी चाहिए।

पीड़ितों ने प्रशासन से मांग की है कि सिलिकोसिस की जांच से लेकर प्रमाण पत्र जारी करने और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तक की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया जाए, ताकि गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को सरकारी सहायता के लिए बार-बार कार्यालयों एवं जांच केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

पाटन के ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा में सिलिकोसिस जांच शिविर लगाया गया।

सात राशन डीलर के लाइसेंस निलम्बित

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में जिला रसद विभाग प्रथम ने गेहूं की कालाबाजारी के मामले में देबारी और लकडवास लैम्पस के अधीन संचालित 7 राशन डीलर के लाइसेंस निलंबित सस्पेंड कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार गेहूं की हेराफेरी होने की शिकायत पर प्रवर्तन अधिकारी निशा मूंदड़ा मौके पर पहुंची। प्रवर्तन अधिकारी ने डीलर की दुकान पर स्टॉक रजिस्टर सहित अन्य रिकॉर्ड देखे। गोदाम पर गेहूं चेक किया तो उसमें 475.78 गेहूं कम पाया। इस संबंध में दोनों लैम्पस के व्यवस्थापक मांगीलाल व्यास से कम गेहूं का कारण पूछा गया। इस पर वे कोई संतोषजनक जबाव नहीं दे पाए।

प्रवर्तन अधिकारी की जांच रिपोर्ट में अनियमितता पाए जाने पर जिला रसद अधिकारी ने लाइसेंस निलंबित कर दिया। इनके खिलाफ प्रतापनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। प्रवर्तन अधिकारी निशान मूंदड़ा ने बताया कि देबारी लैम्पस अंतर्गत देबारी, भैंसडाकला, भैंसडाखुर्द और भल्लों का गुडा सेंटर आते हैं वहीं, लकडवास लैम्पस के चांसदा व झामर कोटडा, धामधर और लकडवास सेंटर हैं।

किराये पर बैंक खाता देकर साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्त में

आरोपी के बैंक खाते के खिलाफ विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी की 7 शिकायतें दर्ज हैं

फुलेरा, (निसं)। पुलिस थाना फुलेरा ने साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अपना बैंक खाता किराये पर देने वाले 21 वर्षीय युवक पुनित वर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के बैंक खाते के खिलाफ विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी की 7 शिकायतें दर्ज हैं। खाते में करीब 97 लाख रुपये के साइबर ठगी से संबंधित लेन-देन सामने आया है।

- **खाते में करीब 97 लाख रुपये के साइबर ठगी से संबंधित लेन-देन सामने आया है**
- **आरोपी ने अपना बैंक खाता साइबर ठगी करने वाले अपराधियों को 25 हजार रुपये मासिक किराये पर उपलब्ध करवाना स्वीकार किया**

पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 17 से 31 अगस्त तक साइबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा व वृत्ताधिकारी सांभरलेक मुकेश जोशी के सुपरविजन तथा थानाधिकारी फुलेरा हीरालाल सैनी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने समन्वय पोर्टल के माध्यम से बैंक ऑफ बड़ौदा, काचरोदा शाखा के एक खाते की जांच की। जांच में महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार, गुजरात व झारखंड सहित विभिन्न राज्यों से संबंधित 7 साइबर शिकायतें मिलीं। बैंक स्टेटमेंट के विश्लेषण में अक्टूबर 2025 के दौरान करीब 97 लाख रुपये के संदिग्ध साइबर ठगी संबंधी लेन-देन का खुलासा हुआ। पुलिस ने खाता धारक पुनित वर्मा पुत्र लक्ष्मीनारायण, निवासी शिव विहार कॉलोनी, सांभरलेक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने अपना बैंक खाता साइबर ठगी करने वाले अपराधियों को 25 हजार रुपये मासिक किराये पर उपलब्ध करवाना स्वीकार किया। इस पर पुलिस थाना फुलेरा में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब साइबर ठगी में शामिल अन्य आरोपियों के संबंध में अनुसंधान कर रही है।